>

Title: Need to set up a Centre for advance research for Leptospirosis disease in Gujarat.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (महेसाणा): सभापति महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण विषय पर आपका एवं सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। एक लेप्टोस्पाइरिस एक प्राणीजन्य रोग है। जो भारत और मध्य अमेरिका इस रोग की एनीमीसिटी के संदर्भ में एल टू में वर्गीकृत करने में आई है। इसका मतलब है कि यह संक्रमनजन रोग अन्य स्थानों में भी पाया गया है। एक लाख की बस्ती में लगभग इस रोग के 25 केस दिखाई दिए हैं। यह परिमाण अलग-अलग जगह भिन्न है। हर साल लाखों की संख्या में लोग इसके चपेट में आते हैं। किन्तु यह रोग नोटिफायबल न होने के कारण जानकारी एवं निवारण के स्त्रोत मर्यादित संख्या में हैं। जो भी माहिती उपलब्ध है वह रजिस्टर और वेरिफायड केसों के आधार पर है। यह संख्या असल में पांच से बीस केस कम होगी जो वास्तविक केस हुए हैं। गुजरात में यह रोग गरीब आदिवासी लोगों में नजर आता है। जिसका परिमाण नए विस्तारों में फैलने के कारण बढ़ता नजर आ रहा है। तदुपरान्त इस रोग का निदान रोग के लक्षणों पर करना मुश्किल होने से डाक्टर को निश्चित लेबोरेट्री परीक्षणों पर अवलंबित रहना पड़ता है। इसका परीक्षण अद्यतन लेबोरेट्री में कर सकते हैं। यह रोग विविध प्रकार के प्राणियों में नजर आता है तथा इस रोग के जिम्मेदार जन्तुओं की जटिलता के कारण इस रोग की अकाट्य नियंत्रण हेतु सेन्टर ऑफ एडवांस रिसर्च की दरख्वास्त 15.02.2012 को भारत सरकार को पेश की गई थी। अगर ऐसी संस्था गुजरात में स्थापित की गई तो इसका लाभ पड़ोसी राज्यों को भी मिलेगा।

अतः मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि उपरोक्त सेन्टर जल्दी से जल्दी गुजरात में स्थापित करें।